प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)

राजमहल में महिला सशक्तिकरण की नई परिभाषा गढ़ रही हैं PMAY(U) की लाभुक संतोषी देवी

लाभुक का नाम:- **संतोषी देवी**
उम्र:- **41 वर्ष**
लाभुक का आईडी:- **208017730361300111**

पता:- **वार्ड न. 10, नया बाज़ार, राजमहल**
मोबाईल न.- **9608606467**
वार्षिक आय:- **70000/-**

व्यवसाय:- **किराना दुकान एवं शेल्टर होम का कार्यवाहक, DAY-NULM**
निकाय का नाम:- **राजमहल नगर पंचायत**
राज्य:- **झारखण्ड**

अमूमन ऐसा होता है कि महिला सशक्तिकरण का जिक्र छिड़ते ही हमारे जेहन में उन सफल महिलाओं की तस्वीरें उभरने लगती हैं, जो या तो किसी मल्टीनेशनल कंपनी की सी. ई ओ हैं या कोई बड़ी सामाजिक कार्यकर्ता या फिर कोई सेलिब्रिटी। परंतु समय के साथ-साथ आज घरेलु कामगार महिलाएं भी महिला सशक्तिकरण की नई परिभाषा गढ़ रही हैं और पुरुष प्रधान समाज की तमाम बंदिशों को चुनौती देते हुए अपनी राह खुद बना रही हैं।

राजमहल नगर पंचायत निवासी संतोषी देवी (उम्र 41 वर्ष) ऐसी ही एक महिला है, जिन्होंने अपनी राह खुद बनाई। संतोषी का अपना पक्का मकान नहीं था, उनके परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर थी और कई वर्षों से वह अपने वित्तीय संतुलन हेतु संघर्ष कर रही थी। उनकी प्रबल इच्छा थी की उनका अपना पक्का आवास हो, परंतु उनका यह सपना अभी तक पूरा नहीं हो पाया था।

हालाँकि संतोषी 2016 से ही स्वयं सहायता समूह की सक्रीय सदस्य थी, जहाँ नगर पंचायत द्वारा निर्देशित सभी सरकारी व विभिन्न सामाजिक कार्य जैसे खुले में शौच से संबंधित, प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े की थैलियों का उपयोग पर जोर, स्वच्छता रैलियां के माध्यम से जागरूकता फैलाना आदि कार्यों में भाग लेती रहीं। उनके इस कार्य से नगर पंचायत की काफी महिलाएं भी प्रेरित हुई और स्वयं सहायता समूह से जुड़ी।

इसी कड़ी में उन्होंने अपने वार्ड पार्षद एवं स्वयंसेवकों से PMAY(U) के बारे में जानकारी प्राप्त की और पूछताछ के बाद योजना के तहत आवास के लिए अपना आवेदन दिया। आवेदन पश्चात राजमहल नगर पंचायत द्वारा आवश्यक जाँच और सत्यापन के बाद उन्हें योजना का वास्तविक लाभार्थी पाया गया और जल्द ही PMAY (U) के अंतर्गत उन्हें उनका घर बनाने के लिए सरकार की तरफ से लोन तथा सब्सिडी दोनों दी गई। संतोषी ने योजना के तहत अपने सपनों के घर का निर्माण कार्य शुरू किया एवं कुछ ही महीनों में उसे पूरा भी कर लिया।

पक्का आवास के निर्माण पश्चात, संतोषी देवी परिवार के जीवन यापन के लिए अपने वित्तीय भार को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत करने लगी। सेवा के प्रति उनके उत्साह और रुचि ने उन्हें राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (NULM) के तहत महिला आश्रय गृह अनुभाग की महिला कार्यवाहक के रूप में चुने जाने में मदद की। जहाँ उन्हें आर्थिक सहयोग भी प्राप्त होने लगा।

वर्तमान में नगर पंचायत द्वारा सौंपे गए सभी कार्य (स्वच्छता, महिला उत्थान, महिला रोजगार, महिला सुरक्षा, कोविड-19 के लिए जागरूकता) नियमित रूप से कर रही हैं। वह अपने काम को काफी ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक कर रही हैं, जो काफी सराहनीय है।

कठिन परिश्रम से संतोषी ने अपने जीवन स्तर में काफी सुधार किया है, इसके साथ ही वह अपने पति द्वारा संचालित एक किराना स्टोर की मालकिन भी हैं। आज अपने घर के मालिक होने के लिए वह सरकार के प्रति –तज्ञता और आत्म-संतुष्टि व्यक्त कर रही हैं।

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार